57वां वार्षिक प्रतिवेदन
वर्ष 2012—2013

1. **परिचय** :

राजस्थान राज्य सहकारी क्रय–विक्रय संघ लि., जिसका अंग्रेजी नाम ''राजस्थान स्टेट को–ऑपरेटिव मार्केटिंग फैडरेशन लिमिटेड'' है तथा संक्षिप्त में ''राजफैड'' के नाम से जाना जाता है, राज्य की क्रय–विक्रय सहकारी समितियों की शीर्ष संस्था है। इसकी स्थापना राजस्थान सहकारी संस्था अधिनियम 1953 की धारा 13 के अन्तर्गत 26 नवम्बर, 1957 को हुई थी। राष्ट्रीय स्तर पर नेफैड एवं राज्य में त्रिस्तरीय व्यवस्था यथा ग्राम सेवा सहकारी समिति, ब्लॉक स्तरीय क्रय–विक्रय सहकारी समिति एवं राज्य स्तर पर मार्केटिंग फैडरेशन के क्रम में सहकारी क्षेत्र में राजफैड राज्य की एक शीर्ष सहकारी संस्था है।

2. **सदस्यता** :

राजफैड की माह मार्च, 2013 के अन्त तक कुल सदस्यों की संख्या 242 है, जिनका विवरण निम्न प्रकार है :–

क–	राज्य सरकार	1
ख–	क्रय–विक्रय सहकारी समितियां	228
ग–	अन्य सहकारी संस्थायें / मिलें	6
घ–	नाममात्र के सदस्य	7
		————
	कुल	**242**
		————

3. **हिस्सा पूंजी** :

31 मार्च 2013 तक राजफैड की हिस्सा पूंजी 1635.09 लाख रु. है।

4. **उद्देश्य** :

- सहकारी समितियों अथवा उनके द्वारा स्वयं के खातों में क्रय की गई कृषि उपज की बिक्री करना।
- अन्य राज्यों के राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय संस्थाओं के खाते में अथवा उनकी साझेदारी में कृषि उपज को क्रय कर बिक्री करना।
- सदस्य समितियों को माल संवार इकाइयां (प्रोसेसिंग यूनिट्स) लगाने में सहायता देना अथवा उनकी इकाईयों को किराये पर लेना।
- स्वयं की माल संवार इकाईयां (प्रोसेसिंग इकाईयां) लगाना, सदस्यों की क्रय की गई कृषि उपज एवं उत्पादों को विदेशों में निर्यात करना।
- कृषि आदान के निर्माताओं व उत्पादकों से कृषि आदानों को प्रतिस्पर्द्धात्मक दर पर खरीद कर सदस्य समितियों के माध्यम से किसानों को उपलब्ध करवाना।
- राज्य में क्रय–विक्रय सहकारी समितियों एवं प्रोसेसिंग सहकारी समितियों में आपस में समन्वय स्थापित करना।
- सदस्य समितियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना एवं उनके कर्मचारियों की भर्ती, प्रशिक्षण तथा अन्य कार्यों में उनके मार्गदर्शन प्रदान करना तथा राज्य सरकार, राजकीय उपक्रम तथा अन्य राष्ट्रीय स्तर की सहकारी संस्थाओं के एजेट के रूप में कृषि उपज को क्रय करना।

राजफैड अपने उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिये निरन्तर प्रयास करता रहा है। इन उद्देश्यों के अन्तर्गत राजफैड की गत वर्ष में निम्न उपलब्धियां रही है :–

5. **राजफैड द्वारा संचालित गतिविधियां** :

वाणिज्यिक व्यवसाय।

कृषि आदान व्यवसाय यथा समितियों को अच्छी गुणवत्ता के उर्वरक, बीज व कीटनाशक उपलब्ध कराना।

कीटनाशक दवाई एवं पशुआहार का विपणन।

घरेलू एवं व्यवसायिक एल.पी.जी. (लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस) वितरण।

5.1 **वाणिज्यिक व्यवसाय** :

(अ) वाणिज्य / समर्थन मूल्य पर खरीद :

वर्ष 2012–2013 में राजफैड द्वारा स्वयं के खाते में 4312.61 लाख रू. की कृषि जिन्सों की वाणिज्यिक खरीद की गई। इसके अतिरिक्त भारतीय खाद्य निगम के एजेण्ट के रूप में 53287.07 लाख रु. का गेहूँ, तथा नेफेड हेतु 3720.01 लाख रू. का चना, उडद क्रय कर वर्ष 2012–2013 में कुल 61319.69 लाख रु. की कृषि जिन्सों की खरीद की गई।

वर्ष 2012–2013 में राजफैड द्वारा किये गये व्यवसाय के अन्तर्गत क्रय–विक्रय सहकारी समितियों को 42.61 लाख रु. कमीशन के रूप में लाभ प्राप्त हुआ है, जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.सं.	विवरण	कमीशन राशि (लाख रूपये में)
1.	राजफैड की वाणिज्यिक खरीद	43.12
	योग	**43.12**

(ब) कमजोर समितियों को रिवाल्विंग फंड से आर्थिक सहायता :

राजफैड द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर 115 क्रय–विक्रय सहकारी समितियों को 216.50 लाख रु. रियायती ब्याज दर 4 प्रतिशत पर व्यवसाय हेतु उपलब्ध करवाये गये थे ताकि ये समितियां आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होकर व्यवसाय कर सकें। उपरोक्त राशि में से 31 मार्च 2013 तक 7.00 लाख रु. समितियों से वसूल होना शेष है।

(स) एजेन्सी आधार पर खरीदः

वर्ष 2012–13 में राजफैड द्वारा दी माल्ट कम्पनी इण्डिया प्रा.लि., गुड़गांव के लिये 122095 बोरी वजन 79882.75 क्विंटल 1038.46 लाख रू. की जौ की खरीद की गई। इसी प्रकार 5263 बोरी 2631.50 क्विंटल बाजरा राशि 35.46 लाख रू. की खरीद की गई है।

इसी प्रकार वर्ष 2013–14 में रबी सीजन में माल्ट कम्पनी इण्डिया गुड़गांव के लिये 151064 बोरी वजन 91532.43 क्विंटल राशि 1087.01 लाख रू. की जौ क्रय की गई है तथा वर्ष 2013–14 में ही पीएमवी माल्टिंगस प्रा.लि., गुड़गांव के लिये नया अनुबंध कर 2538 बोरी वजन 1916.60 क्विंटल राशि 22.98 लाख रू. की खरीद की गई है।

(द) बाजार हस्तक्षेप योजनान्तर्गत लहसुन की खरीदः

वर्ष 2012–13 में बाजार हस्तक्षेप योजनान्तर्गत लहसुन की खरीद हेतु राजफैड को कोटा, सुल्तानपुर, मथानिया केन्द्र आवंटित किये गये थे। राज्य सरकार द्वारा निर्धारित खरीद अवधि में दिनांक 06.06.2012 से 06.07.2012 तक राजफैड द्वारा 17 रू. प्रति किलो की दर से 74230 कट्टे वजन 37115.00 क्विंटल राशि 630.95 लाख की खरीद की गई।

(य) विकेन्द्रीकृत खरीद :

वर्ष 2013–14 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ की विकेन्द्रीकृत खरीद के अन्तर्गत पॉयलेट प्रोजेक्ट के रूप में अलवर जिले का चयन किया गया था, जिसमें राज्य सरकार द्वारा राजफैड को मुख्य क्रय एजेन्सी नामित किया गया। राजफैड द्वारा राज्य सरकार के निर्देशानुसार अलवर जिले की क्रय विक्रय/ग्राम सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से 35 केन्द्रों पर समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीद का कार्य किया गया। योजनान्तर्गत किसानों को उनसे क्रय किये गये गेहूँ का भुगतान सीधे ही उनके खाते उसी दिवस किया गया है। योजनान्तर्गत 35 क्रय केन्द्रों पर 54942.70 मै.टन राशि 8241.45 लाख रू. समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीद की गई। वर्ष 2014–15 में यह प्रणाली अलवर के अतिरिक्त श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, कोटा, बॉरा एवं बून्दी जिलों में भी लागू की जानी है।

5.2 कृषि आदान व्यवसाय :

राजफैड की स्थापना किसानों के हितों के संरक्षण के लिए की गई है। किसानों को अच्छी गुणवत्ता वाले कृषि आदान उचित दरों पर एवं उचित समय पर उपलब्ध करवाना राजफैड की प्रमुख प्राथमिकता रही है। राजफैड द्वारा उपलब्ध करवाये जा रहे कृषि आदानों में उर्वरक, उन्नत बीज, जिप्सम एवं कीटनाशक दवाईयां प्रमुख है। राजफैड द्वारा इन कृषि आदानों की आपूर्ति मुख्यतः अपनी सदस्य क्रय–विक्रय सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को की जाती है।

(अ) उर्वरक व्यवसाय :

सहकारी क्षेत्र में उर्वरकों की आपूर्ति इफको एवं कृभको द्वारा साथ–साथ की जाती है लेकिन जब इनके द्वारा सहकारी क्षेत्र में उर्वरकों की मांग की आपूर्ति पूर्ण रूप से नहीं हो पाती है, तो किसानों की आवश्यकता को देखते हुए राजफैड द्वारा भी डी.ए.पी., यूरिया एवं

एस.एस.पी. की खरीद कर आपूर्ति की जाती है। वर्ष 2012–13 के दौरान राज्य सरकार के निर्देश पर डी.ए.पी. बफर स्टॉक का कार्य किया गया।

(1) डीएपी :

राजफैड द्वारा वर्ष 2012–13 में 187947 मै.टन डीएपी. समितियों को आई.पी.एल. /इफको से अनुबन्ध कर आपूर्ति करवायी गयी। उक्त अवधि में क्रय विक्रय सहकारी समितियों/ग्राम सेवा सहकारी समितियों को 350/–रू. प्रति टन की दर से 657.81 लाख रू. का ट्रेड मार्जिन दिलवाया गया।

(ii) यूरिया :

राजफैड द्वारा वर्ष 2012–13 में 290097.65 मै.टन. यूरिया समितियों को उपलब्ध करवाया गया। उक्त अवधि में क्रय–विक्रय सहकारी समितियों / ग्राम सेवा सहकारी समितियों को यूरिया निर्माता व आपूर्तिकर्ताओं से 175/– रु. प्रति मै.टन. की दर से 507.67 लाख रु. का ट्रेड मार्जिन दिलवाया गया।

(iii) एस.एस.पी. :

राज्य में वर्ष 2012–13 में समितियों को 85446.90 मै.टन. एस.एस.पी. उपलब्ध करवाया गया। उक्त अवधि में क्रय–विक्रय सहकारी समितियों/ग्राम सेवा सहकारी समितियों को एस. एस.पी. निर्माता व आपूर्तिकर्ताओं से 480/–रु. प्रति मै.टन. की दर से 410.14 लाख रु. का ट्रेड मार्जिन दिलवाया गया।

(iv) काम्पलेक्स खाद :

राजफैड द्वारा वर्ष 2012–13 में कॉम्पलेक्स खाद यथा एन.पी.एस., एन.पी.के., एम.ओ.पी. आदि 24355.85 मै.टन उपलब्ध करवाया गया। उक्त अवधि में क्रय विक्रय सहकारी समितियों/ग्राम सेवा सहकारी समितियों को आपूर्तिकर्ताओं से 350.00रू. प्रति टन की दर से 85.25 लाख रू. का ट्रेड मार्जिन दिलवाया गया।

(ब) जिप्सम :

राजफैड द्वारा वर्ष 2012–13 में समितियों को 20368.60 मै.टन. जिप्सम का विक्रय किया गया है।

(स) बीज व्यवसाय :

फसलों की उत्पादकता बढ़ाने हेतु जहां संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग तथा कीड़ों व बीमारी से बचाने हेतु उचित मात्रा में कीटनाशक दवाईयों का छिड़काव महत्वपूर्ण है, वहीं उत्पादकता बढ़ाने में अच्छे बीजों के महत्व को नकारा नहीं जा सकता। किसान की सारी मेहनत का फल उसके द्वारा खेत में बोये जा रहे बीज की गुणवत्ता पर निर्भर करता है। राजफैड ने राजस्थान राज्य बीज निगम के साथ एक समझौता कर क्रय–विक्रय सहकारी समितियों के माध्यम से गांव–गांव में उन्नत बीज उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। वर्ष 2012–13 में 53291.82 क्विं. (राशि 1371.56 लाख रु) उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीजों का विक्रय किया है। बीज का विक्रय करने पर समितियों को 178.30 लाख रू. की व्यापारिक छूट का लाभ दिलवाया गया।

5.3 **कीटनाशक दवाई एवं पशुआहार का उत्पादन एवं विपणन :**

(अ) पशुआहार व्यवसायः

पशुआहार फैक्ट्री द्वारा वर्ष 2012–2013 में 9831.15 मै.टन. के उत्पादन के विरुद्ध 9590.75 मै.टन. का पशुआहार का विक्रय किया गया।

(ब) कीटनाशक दवाई व्यवसायः

एच.आई.एल देहली एवं मार्कफैड से एम.ओ.यू कर 219.71 लाख रू. की कीटनाशक दवाईयॉ उपलब्ध करवाई गई।

5.4 **एल.पी.जी. वितरण :**

राजफैड द्वारा जयपुर शहर के उपभोक्ताओं के लिए घरेलू एवं वाणिज्यिक गैस का वितरण भी किया जा रहा है। वर्ष 2012–2013 में 143684 नग गैस सिलण्डरों का वितरण किया गया।

6. **टर्नओवर** :

राजफैड द्वारा स्वयं के टर्नओवर में वर्ष 2010–2011 में 56093.85 लाख रु., वर्ष 2011–2012 में 68222.58 लाख रु. तथा वर्ष 2012–2013 में 76487.82 लाख रु. का कारोबार किया गया है।

(विपिन चन्द्र शर्मा)
आई.ए.एस.
प्रशासक

स्थान : जयपुर
दिनांक : 30.09.2013